No. of Printed Pages : 4

बी.एस.के.एफ.-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

01196

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

बी.एस.के.एफ.-001 : संस्कृत में आधार पाठ्यक्रम

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

*नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं ***चार*** को शुद्ध रूप में लिखिए : 2

पंच, मन, महत्त्व, सत्त्व, तेज, पंडित ।

(ख) कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से किसी ***एक*** को चुनते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 2

(अ) देव ! _____ पाहि सर्वदा । (वयम्, अस्मान्)

(ब) नवम्यां कक्षायां _____ छात्राः । (शतानि, शतं)

(स) _____ वर्तते । (पाणिपादं, पाणिपादौ)

(द) _____ सूर्यः । (आक्रमते, आक्रमति)

2. (क) निम्नलिखित शब्दों के निर्दिष्ट रूप लिखिए : 2

(अ) गुरु (पुल्लिग) सप्तमी विभक्ति, द्विवचन

(ब) रमा (स्त्रीलिंग) पञ्चमी विभक्ति, एकवचन

(स) नौ (स्त्रीलिंग) तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(द) गृह (नपुंसकलिंग) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

(ख) निम्नलिखित धातुरूपों में धातु, लकार, पुरुष एवं वचन का निर्देश कीजिए : 2

रक्षामः, अगायतम्, गमिष्यावः, पठिष्यति ।

3. निम्नलिखित शब्दों धातु एवं प्रत्यय को अलग करके दिखलाइए : 4

वर्तमान, आप्त, वाच्य, दास्यमान ।

4. निम्नलिखित कर्तृवाच्य के प्रयोगों को कर्मवाच्य में प्रयोग कीजिए : 4

(क) अहं विद्यालयं गच्छामि ।

(ख) रमा पुस्तकं पठति ।

(ग) रामः ओदनं खादति ।

(घ) सीता पत्रं लिखति ।

5. (क) निम्नलिखित पदों में सन्धि-विच्छेद कीजिए : 2

परमार्थः, हितोपदेशः, नयनम्, बालो नयति ।

(ख) निम्नलिखित वर्णों के उच्चारण-स्थान लिखिए : 2

च्, थ्, य्, ष् ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर लगभग 100 – 150 शब्दों में लघु निबन्ध लिखिए : 8

(क) काव्य-दोष

(ख) चरक-संहिता का स्वस्थवृत्त

(ग) महाकवि नारायण पण्डित

(घ) महाकवि कालिदास

7. संक्षेपण की प्रक्रियाओं को लगभग 300 शब्दों में लिखिए । 8

8. निम्नलिखित पद्य को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4

माता गुरुतरा भूमेः खात् पितोच्चतरस्तथा ।
मनः शीघ्रतरं वाताच्चिन्ता बहुतरी तृणात् ।।

(क) पृथ्वी से अधिक बड़ी कौन है ?

(ख) पिता का स्थान किससे भी अधिक ऊँचा है ?

(ग) वायु से भी अधिक तीव्र गति किसकी है ?

(घ) चिन्ताएँ संख्या में किससे भी अधिक हैं ?

9. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 4

(क) उवाच चैनं परमार्थतो हरं, न वेत्सि नूनं यत एवमात्थ माम् ।
अलोकसामान्यमचिन्त्यहेतुकं, द्विषन्ति मन्दाश्चरितं
महात्मनाम् ।।

(ख) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं, हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः,
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्द्धजाः ।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते,
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं, वाग्भूषणं भूषणम् ।।

(ग) प्र ते ब्रवीमि तद् उ मे निबोध स्वर्ग्यमग्निं नचिकेतः प्रजानन् ।
अनन्तलोकाप्तिमथो प्रतिष्ठां विद्धि त्वमेवं निहितं गुहायाम् ।।

10. अपने क्षेत्र के किसी महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक उत्सव का समाचार छह-सात पंक्तियों में बनाइए । *6*

अथवा

पत्र-लेखन की भाषा पर प्रकाश डालिए ।

———